मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 160, मुंबई, शुक्रवार, 29 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

ड्रग्स के खिलाफ मुंबई एनसीबी ने फिर की बड़ी कार्रवाई

190 किलो गांजा जब्त

4 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जहां एनसीबी ने 190 किलो गांजा के साथ 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, एनसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत इस कार्रवाई में ड्रग तस्करों की 2 कारें भी जब्त की गई हैं। जहां गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी मुंबई के रहने वाले हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

खुफिया इनपुट के आधार पर एनसीबी को मिली थी जानकारी

पूछताछ में आरोपियों ने नशीली दवाओं की तस्करी की बात कबूली

इस बीच जब एनसीबी अधिकारियों ने गिरफ्तार हुए लोगों से पूछताछ की तो उन्होंने पहले नशीली दवाओं की तस्करी करने की बात कबूली। वहीं, जांच में पता चला कि ये आरोपी प्रोफेशनल तस्कर है। बता दें कि, वह पिछले 5 सालों से अवैध ड्रग तस्करी के धंधे में था। जांच में ये भी पता चला है कि ये ड्रग जिसमें इस गिरोह ने खास तौर पर आंध्र प्रदेश-ओडिशा को राज्यों से मंगवाया गया था। हालांकि, यह गिरोह मुंबई और उसके आसपास के कई स्थानीय पेडलरों को डिलीवरी के लिए ड्रग सप्लाई किया करता था। इस दौरान जांच में पता किया जा रहा है कि कौन-कौन से ड्रग पैडलर्स के ये संपर्क में थे। साथ ही कहां- कहां ये ड्रग सप्लाई किया जा रहा था। फिलहाल इस मामले में एनसीबी आगे की जांच-पड़ताल कर रही है।

प्लास्टिक के खिलाफ बीएमसी ने तेज की कार्रवाई

जुर्माने के रूप में वसूले गए 7.5 लाख रुपये

मुंबई। प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल के खिलाफ बीएमसी ने मुंबई में कार्रवाई तेज कर दी है। केंद्र सरकार के निर्देशानुसार 1 जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक बैन कर दिया गया है। तब से 25 जुलाई तक बीएमसी ने कार्रवाई करते हुए 590 किलो प्लास्टिक जब्त किया। इस दौरान प्रतिबंधित प्लास्टिक यूज करनेवाले दुकानदारों से 7 लाख 50 हजार का दंड वसूला गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

'लोगों को रोजगार देने में विफल रही मोदी सरकार'

मुंबई। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार दो साल में दो करोड़ रोजगार देने के अपने वादे से मुकर गई है। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता महेश तपासे ने कहा कि केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने लोकसभा को बताया कि 2014 से अब तक सरकारी नौकरियों के लिए 22 करोड़ आवेदन प्राप्त हुए लेकिन केवल 7.22 लाख आवेदनों पर ही विचार किया गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

सुप्रीम कोर्ट की राज्य चुनाव आयोग को

फटकार

...कहा- आदेश को गलत तरीके से समझने की कोशिश, बर्दाश्त नहीं करेंगे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण से संबंधित मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने गुरुवार को आदेश का पालन नहीं करने पर राज्य चुनाव आयोग को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस बीच सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने बताया कि 92 स्थानीय निकायों में चुनाव की घोषणा हो गई है लेकिन दो नगरपालिकाओं का चुनाव स्थगित किया गया है। देश की सबसे बड़ी अदालत में अपना पक्ष रखते हुए चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव पहले ही अधिसूचित किया गया था, लेकिन बारिश के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कानून पर मुहर

इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में कोई संगठन है, तो वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) है। हालांकि, यह चर्चा ज्यादातर उन राजनीतिक लोगों से संबंधित मामलों को लेकर है, जिनकी निदेशालय जांच कर रहा है। निदेशालय मुख्य रूप से धन शोधन निवारण कानून के तहत मनी लांडरिंग के मामलों की जांच करता है, यानी मोटे तौर पर उस काले धन की जांच करता है, जिसका इस्तेमाल तमाम गलत धंधों के अलावा तस्करी या आतंकवाद तक में होता है। इस कानून और इसे लेकर निदेशालय को मिले अधिकारों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया था कि एक तो यह कानून मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है, इसलिए असांविधानिक है। दूसरे, निदेशालय कोई पुलिस बल नहीं है, लेकिन उसके पास छापा मारने, कुर्की और गिरफ्तार करने जैसे वे अधिकार दिए गए हैं, जो पुलिस के पास होते हैं। कुछ अधिकार तो पुलिस से भी ज्यादा हैं। मसलन, पुलिस के सामने दिए गए इकबालिया बयान को अदालत में पेश नहीं किया जा सकता, जबकि निदेशालय के समक्ष दिए गए बयान को पेश किया जा सकता है। याचिका में निदेशालय के इन्हीं अधिकारों पर आपत्ति उठाई गई थी। वैसे, यह कोई पहला मामला नहीं है, जब 2002 में बने इस कानून को अदालत में चुनौती दी गई हो। 2017 में तो सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून पर रोक ही लगा दी थी। अगले ही साल संसद में पेश किए गए वित्त विधेयक के जरिये इसमें संशोधन कर इसे फिर लागू कर दिया गया। इस बार वित्त विधेयक के जरिये इसे संशोधित करने का मुद्दा भी याचिका में उठाया गया था। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने धन शोधन कानून और निदेशालय के अधिकारों पर की गई सारी आपत्तियों को खारिज कर दिया, यानी इस कानून के तहत छापा मारने, लोगों को गिरफ्तार करने वगैरह के निदेशालय के अधिकार बरकरार रहेंगे। अदालत ने इस बात को भी सही ठहराया कि ऐसे मामलों में खुद को निर्दोष साबित करने का दायित्व आरोपी का ही होगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में आतंकवाद से लेकर तमाम समाज विरोधी कामों में धन शोधन की भूमिका का भी जिक्र किया। उसने आरोपी द्वारा गलत सूचना देने पर जुमार्ने और सजा के प्रावधान को भी सही ठहराया। पीठ ने यह भी कहा है कि सिर्फ धन शोधन को अंजाम देना ही अपराध नहीं है, बल्कि धन शोधन की पूरी प्रक्रिया में किसी स्तर पर लिप्त होना भी अपराध है। वित्त विधेयक द्वारा इस कानून में संशोधन के मामले को पीठ ने बड़ी पीठ के लिए छोड़ दिया है। वित्त विधेयक के जरिये कानून बनाने का एक मामला आधार से भी जुड़ा है। यह मामला भी बड़ी पीठ के लिए छोड़ा गया था, हालांकि अभी तक इसके लिए बड़ी पीठ के गठन की घोषणा नहीं हुई है। धन शोधन कानून से जुड़ा एक अन्य तथ्य यह भी है कि पिछले आठ वर्षों में निदेशालय ने इसे लेकर काफी सक्रियता दिखाई है और इसे लेकर पड़ने वाले छापों की संख्या 26 गुना बढ़ी है। लेकिन कटु सच्चाई यही है कि ऐसे मामलों में सजा की दर अब भी बहुत कम है। राज्यसभा में दी गई एक जानकारी के अनुसार, पिछले आठ साल में धन शोधन के लिए 3,010 छापे मारे गए, जबकि सजा सिर्फ 23 लोगों को मिल सकी। इसे और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। लेकिन सभी दलों को यह कोशिश करनी होगी कि इसे लेकर राजनीतिक विवाद न खडे हों।

माल ए मुफ्त, दिल ए बेरहम, फलसफा मुफ्तखोरी का

(स्वतंत्र लेखक राकेश अचल की कलम से...)

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान देश में मुफ्तखोरी से बढ़ती बेरोजगारी पर जनता को बेवकूफ बनाने का नेताओं का शगल काफी पुराना है जो आज भी बेरोकटोक जारी है। उस पर बढ़ती राज्यों की माली हालत जगजाहिर हैं। इस पर स्वतंत्र लेखक राकेश अचल ने सारगर्भित विश्लेषण किया जो काबिले तारीफ हैं। राकेश अचल लिखते हैं कि.....

मुल्क में बेरोजगारी नहीं, मुफ्तखोरी बढ़ रही हैं। मुफ्त का माल हो तो हर कोई बेरहमी पर आमादा हो जाता है। लूटने के लिए भी और लुटाने के लिए भी। फिलहाल लूटने वाले तो मजे में लूट रहे हैं, लेकिन लुटाने वाली लुटेरी सरकार से मुल्क की सबसे बड़ी अदालत ने इस मामले में हलफनामा माँगा है। मुल्क में जैसे माल मुफ्त में देने और लेने की रिवायत है उसी तरह हलफनामा मांगने और देने की रिवायत हैं। लोकतंत्र में ये लेन-देन आज का नहीं हैं। सरकारी खजाने को अपना बताकर जनता यानि मतदाता को मुफ्त में बांटने का इल्म दरअसल कांग्रेस का ईजाद है। कांग्रेस ने मुल्क में लम्बे वक्त तक राज ही नहीं किया बल्कि उनके आविष्कार भी किए। मुफ्तखोरी भी इन्हीं में से एक हैं। सरकार जनता को मुफ्त में देती है और जनता लेती है। मुफ्त के माल के एवज में जनता को अपना कीमती वोट मुफ्त में देना होता हैं। 'जनादेश' के विनिमय का ये नायाब तरीका हर राजनीतिक दल को मुफीद लगता है, लेकिन हमारे,आपके जैसे कुछ सिरफिरे लोगों को ये मुफ्तखोरी रास नहीं आती। मुझे लगता है कि मुफ्तखोरी लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं है। मुफ्तखोरी एक सामंती सलीका भी हैं। सामंती क्या मुगलिया और ब्रितानी भी कह सकते हैं आप। सिंहासन पर जो बैठता है वो रियाया पर अपना खजाना लुटाता है। लूटने से पहले लुटाने की जरूरत पड़ती ही है। एक मंजे-मँजाये वकील अश्वनी उपाध्याय ने मुफ्तखोरी का मामला। मुल्क के सबसे बड़े इजलास के सामने रखते हुए दलील दी और मांग की कि

चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा ऐसे वादे नहीं किए जाए, जिसमें चुनाव जीतने के बाद जनता को मुफ्त सुविधा या चीजें बांटने की बात कही जाती है।मुफ्तखोरी हर सियासी पार्टी की जरूरत है। सब जानते हैं कि मुफ्त का चंदन हो तो नंदन उसे ज्यादा ही घिसता है। 'माल ए मुफ्त' हो तो, दिल बेरहम हो ही जाता है। देने में भी और लेने में भी। गरीब हो या अमीर सबको मुफ्तखोरी अच्छी लगती हैं। इसी तरह सरकार चाहे किसी दल की हो उसे मुफ्त में बांटना पुण्य कार्य लगता हैं। इस मुफ्तखोरी पर किसी एक दल का पेटेंट नहीं है। कांग्रेस के बाद ढोल बजाकर सत्ता में आयी भाजपा हो या अन्ना हजारे के आंदोलन के गर्भ से निकली आप। वामपंथी हों या दक्षिण पंथी, समाजवादी हों या जातिवादी बसपा सपा या जदयू, या बीजद, सबको मुफ्त का देने और लेने में सुखानुभूति होती हैं। मामला जब बड़ी इजलास में गया तो मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन वी रमना ने कहा कि यह बहुत ही संजीदा मसला हैं। यह वोटर को घूस देने जैसा हैं। जब मुख्य न्यायाधीश ने केंद्र सरकार के वकील के एम नटराज से उनकी राय मांगी तो उन्होंने कहा कि ये चुनाव आयोग को तय करना है इसमें केंद्र सरकार का कोई दखल नहीं है। लेकिन जस्टिस रमना ने इस बात पर नाराजगी जताई और कहा कि केंद्र सरकार इससे अपने आपको अलग नहीं कर सकती। अदालत ने फिर केंद्र सरकार को एक हलफनामा दाखिल कर अपना पक्ष साफ करने को कहा हैं। अदालत जानती है कि केंद्रीय चुनाव आयोग केंचुआ बन चुका हैं, उसके बस का कुछ नहीं है। अदालत का काम था सो उसने कर दिया। अब सरकार को अपना काम करना है। सरकार को हलफनामा देना है सो वो दे देगी। जब मुफ्त में राशन,बिजली,बस और रेल यात्रा और न जाने क्या-क्या दिया जा सकता है तो हलफनामा देना कौन सी बड़ी बात है? सरकार के पास हलफ उठाने के लिए संविधान है, सरकारें इसी संविधान का हलफ उठातीं हैं। क्योंकि हलफ उठाने की रिवायत है और फिर उसे भूल जाती हैं। 'सबका साथ, सबका विकास' का हलफ अच्छे दिन लाने लाने का हलफ सरकार ने उठाया कि नहीं? कांग्रेस ने 'गरीबी हटाने' का हलफ उठाया था कि नहीं? इसलिए मुफ्तखोरी पर हलफ उठाना और अदालत में देना कोई मुश्किल काम नहीं है। मामला 80 करोड़ से ज्यादा आबादी से जुड़ा हैं। मुफ्तखोरी के मसले पर कोई वकील भी खुलकर बोलने को राजी नहीं होता। हाल ही में कांग्रेस छोड़ अर्ध समाजवादी हुए वकील कपिल सिब्बल तक इस मामले पर हकलाते नजर आ रहे हैं। जस्टिस रमना ने कोर्ट में मौजूद वकील और पूर्व मंत्री कपिल सिब्बल से कहा कि वो भी अपनी अनुभव से इस मामले में अपनी राय दे सकते है। तो सिब्बल ने कहा कि इसमें केंद्र सरकार का बहुत रोल नहीं है। ये काम वित्त आयोग को देखना चाहिए। सिब्बल के मुताबिक, वित्त आयोग एक निष्पक्ष एजेंसी है जो राज्यों को फंड देती है। ऐसे में वित्त आयोग राज्य सरकारों को फंड देने से पहले ये कह सकती है कि आप को मुफ्त सुविधा देने की लिए फंड आवंटित नहीं किया जाएगा। सिब्बल ने कहा कि सीधे सरकारों पर इसे नियंत्रित करने की जिम्मेदारी डालने से कोई हल नहीं निकलेगा। मुफ्तखोरी के इस मुद्दे पर हमारी अपनी राय ये है कि इस पर पूरी तरह रोक लगना चाहिए। सरकार मुल्क के बूढ़ों को रेल टिकट में मिलें वाली आधी मुफ्तखोरी को पूरी तरह बंद कर ही चुकी है, लेकिन उसे पार्षदों से लेकर विधायकों और सांसदों की मुफ्तखोरी पर भी रोक लगाना होगी। मुफ्त का खाना बंद करना होगा। लोकतंत्र में सरकारों का दायित्व लोककल्याण का है, मुफ्त में खाना देने का नहीं। सबसे टैक्स लो और सबको सब सुविधाएं दो। खाना दो, मकान दो, रोजगार दो, सामाजिक सुरक्षा दो, शिक्षा दो, स्वास्थ्य दो। न मुफ्त में कुछ दो और न मुफ्त में वोट लो। मुफ्त में देना, लेना घूस के समान है। इसे रोके बिना बात नहीं बनने वाली। हमारे मध्यप्रदेश में तो मुफ्त का माल दे-देकर मुख्यमंत्री जगत मामा बन चुके हैं। मुफ्तखोरी से चिंतित पंडित अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि हर राज्य पर लाखों का कर्जा है। जैसे पंजाब पर तीन लाख करोड़ रुपये, यूपी पर छह लाख करोड़ और पूरे देश पर 70 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। ऐसे में अगर सरकार मुफ्त सुविधा देती है तो ये कर्ज और बढ़ जाएगा। अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि श्रीलंका में भी इसी तरह से देश की अर्थव्यवस्था खराब हुई है और भारत भी उसी रास्ते पर जा रहा हैं। पंडित जी की दलीलें ऐसी हैं कि बड़ी इजलास उनकी याचिका को नूपुर शर्मा की याचिका कि तरह एक झटके में खारिज नहीं कर पायी। इजलास में इसे अगले हफ्ते सुना जाएगा। तब तक सरकार का हलफनामा भी सामने होगा। देखते हैं कि सरकार क्या कहती है, इस मुफ्तखोरी को लेकर?

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंब्रा शहर में बढ़ता जा रहा है नशेड़ियों का आतंक

दिनदहाड़े हो रही हैं चोरी की वारदात, नशेड़ियों के दिल में नहीं रहा मुंब्रा पुलिस का खौफ

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर में दिन-ब-दिन चोरी चकारी की वारदातें थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं मानो ऐसा व्यतीत हो रहा है चोरों की दिल से मुंब्रा पुलिस का खौफ उठता चला गया है और वह बेखौफ होकर दिनदहाड़े चोरी चकारी जैसी वारदातों को अंजाम देने में सक्षम नजर आ रहे हैं ऐसी ही एक दिनदहाड़े चोरी की वारदात का मामला प्रकाश में आया है गत 27 जुलाई बुधवार सवेरे 12 बजे अमृत नगर दरगाह रोड परिसर के ऑटो स्टैंड से एक रिक्शा चालक का नशेड़ियों द्वारा खड़ी रिक्शा से दो टायर निकालकर फरार हो गए इस मामले में रिक्शा चालक मोहम्मद शाकिब ने बताया कि मैंने सवेरे 8:00 बजे अमृत नगर परिसर दरगाह रोड ऑटो स्टैंड के बगल में मैंने मेरी ऑटो रिक्शा नंबर MHO4.KA.2719

ऑटो रिक्शा मालिक मोहम्मद शाकिब

खड़ी करके मेरी बहन को थाना में दवाखाने ले जाना था और जब मैं वापस आया तकरीबन 12 बजे तो मैंने देखा मेरी रिक्शा की दोनों टायर निकाल कर ले जाया गया है और पहले जहां मैंने रिक्शा खड़ी की थी उस जगह से हटाकर दूसरी जगह लाकर खड़ा कर दिया गया यह वारदात से समझा जा सकता है कि मुंब्रा शहर में किस हद तक नशा फल-फूल रहा है और नशेड़ी अपना नशा पूरा करने के लिए चोरी चकारी जैसी वारदातों को अंजाम देने में सक्षम नजर आ रहे हैं अगर इन नशेड़ी के ऊपर और नशे के कारोबारियों पर जल्द मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग द्वारा लगाम नहीं कसी गई तो वह दिन दूर नहीं जब मुंब्रा शहर नशेड़ियों का शहर माना जाएगा हमारी मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग से निवेदन है कि कृपया मुंब्रा शहर में नशे के कारोबारियों पर जल्द से जल्द प्रतिबंध लगाकर उन्हें सलाखों के पीछे भेजने का काम करें ताकि मुंब्रा शहर नशा मुक्त हो सके और पुलिस की छवि दागदार ना हो पाए।

लगातार हो रही पीने की पानी की समस्या को लेकर स्थानीय रहिवासी

आक्रोश के चलते पानी पुरवठा विभाग में की गई जमकर नारेबाजी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। लगातार काफी दिनों से पीने की पानी की समस्या से जूझ रहे स्थानीय रहवासी द्वारा पानी पुरवठा विभाग के खिलाफ आक्रोश नजर आ रहा है दरअसल आपको बताते चलें यह मामला शिब्ली नगर, भोलेनाथ नगर, डायमंड पार्क, शिलफाटा, इन तमाम इलाकों में काफी दिनों से पीने की पानी की समस्या लगातार उत्पन्न हो रही है जिससे स्थानीय रहवासियों में पानी पुरवठा विभाग के खिलाफ आक्रोश नजर आ रहा है इस मामले में तमाम इलाके की जनता ने इलाके के पूर्व नगरसेवक कमरुल हुदा के नेतृत्व में पानी पुरवठा विभाग के खिलाफ पैदल मोर्चा निकाल कर दिवा प्रभाग समिति तक मोर्चा ले जाया गया और पानी पुरवठा विभाग के खिलाफ नारे लगाते हुए नजर आए इस मामले में रहवासियों ने बताया कि काफी

दिनों से तमाम इलाकों में पीने के पानी नहीं आ रहा है और जो थोड़ा बहुत पानी आ रहा है वह गंदा आ रहा है इस मामले में पानी पुरवठा विभाग के कॉन्ट्रैक्ट इंजीनियर सागर गोसावी से बात करने पर उनके द्वारा दिया गया जवाब से स्थानीय रहिवासियों में आक्रोश पैदा हो गया है फोन पर हुई बात का ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है जिस प्रकार पानी पुरवठा विभाग के कॉन्ट्रैक्ट इंजीनियर ने बात की है उससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह से अधिकारी अपने काम के प्रति लापरवाही बरतते हुए साफ नजर आ रहे हैं फिलहाल 27 जुलाई बुधवार को जो पदयात्रा पूर्व नगरसेवक कमरुल हुदा ने नेतृत्व में तमाम इलाके के रहवासी द्वारा दिवा प्रभाग समिति तक निकाली गई और वहां पर मुलाकात दिवा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त फारुख शेख से की गई और काफी महीनों से हो रही पानी की समस्या के बारे में अवगत कराया गया उन्होंने तत्काल पानी पुरवठा की कॉन्टैक्टर इंजीनियर को बुलाकर बात की और आश्वासन दिया है कि जल्द आपके इलाके में पानी की जो भी दिक्कतें हैं उसको दूर किया जाएगा और 24 घंटे के भीतर पानी आपके इलाके में लोगों को मिलना शुरू हो जाएगा तब जाकर लोगों का आक्रोश शांत हुआ।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

ड्रग्स के खिलाफ मुंबई एनसीबी ने फिर की बड़ी कार्रवाई

ऐसे में ये सभी आरोपी मुंबई के विभिन्न हिस्सों में खासतौर पर पूर्वी उपनगर मुलुंड और भांडुप में पिछले 5 सालों से गांजा और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी करने में व्यस्त थे। साथ ही ये मादक पदार्थ मुंबई और आसपास के पब,डिस्को और ड्रग जॉइंट पर सप्लाई की जा रही थी। दरअसल, जानकारी के मुताबिक एनसीबी ने खुफिया इनपुट के आधार पर जाल बिछाया था। अधिकारियों का कहना है कि ,यह पता चलने के बाद कि यह गिरोह नशीली दवाओं का स्टॉक ले जा रहा है। इसके चलते एनसीबी ने जाल बिछाकर भिवंडी टोल नाके से इस ड्रग को जब्त कर लिया। इस दौरान जब आरोपी से पूछताछ की गई तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। ऐसे में आरोपियों के वाहनों की सघन तलाशी ली गई। इस दौरान कार से 190 किलो गांजा बरामद हुआ था। जहां पर ये गांजा कार में एक खास जगह कैविटी बनाकर छिपाकर रखा गया था। एनसीबी अधिकारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना मिलने पर कई खुफिया नेटवर्क एक्टिव हो गए थे। जहां एनसीबी के अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि गिरफ्तार हुए गैंग ने बीते कुछ दिन पहले ओडिशा से भारी मात्रा में गांजा पहुंचाने का मंगवाया था। इसके अलावा ये गांजा मुंबई और आसपास के पब,डिस्को और ड्रग जॉइंट पर सप्लाई की जा रही थी। एनसीबी को इनफॉर्मर के जरिए इसकी सूचना मिली थी। इसी के तहत एनसीबी की टीम आरोपियों की गतिविधियों पर पिछले कुछ दिनों से नजर रखे हुए थी।

सुप्रीम कोर्ट की राज्य चुनाव आयोग को फटकार

अब आरक्षण के बाद चुनाव की घोषणा होगी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को फटकार लगाते हुए कहा कि आप अपनी सुविधा के लिए हमारे आदेश को गलत तरीके से समझने की कोशिश कर रहे हैं और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को सख्त चेतावनी देते हुए कहा, क्या आप चाहते है कि आपके खिलाफ कोर्ट की अवमानना का नोटिस जारी किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि हमने बार-बार स्पष्ट किया है कि अगर बारिश के कारण चुनाव रोक दिया गया तो अधिसूचना बनी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी को आरक्षण देने के लिए 367 स्थानीय निकायों के लिए पुनर्निर्धारण के लिए महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग पर नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जब ओबीसी आरक्षण की अनुमति दी गई थी, तब चुनाव कार्यक्रम पहले ही अधिसूचित किया गया था और उन निकायों के लिए चुनाव ओबीसी आरक्षण के बिना होना चाहिए।

प्लास्टिक के खिलाफ बीएमसी ने तेज की कार्रवाई

राज्य में साल 2018 से सिंगल यूज प्लास्टिक बैन है। पिछले दो सालों में कोरोना महामारी के कारण बीएमसी ने प्लास्टिक इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई रोक दी थी। अब दोबारा 1 जुलाई से प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करनेवालों के खिलाफ मुहिम छेड़ी गई है। बीएमसी कर्मचारियों ने प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने के लिए 16000 स्थानों पर छापे की कार्रवाई की है। छापे में 590 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया गया है। प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई में बीएमसी के बाजार- दुकान और लाइसेंस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। बीएमसी प्रतिबंधित प्लास्टिक से बने बैग, सिंगल-यूज प्लास्टिक जिसमें प्लेट, चम्मच आदि शामिल हैं। होटलों में खाद्य पैकेजिंग के लिए उपयोग की जाने वाली प्लास्टिक की वस्तुएं, तरल पदार्थ के लिए उपयोग किए जाने वाले कप, खाना रखने के के लिए उपयोग किए जाने वाले पाउच, अनाज की पैकेजिंग के लिए उपयोग किया जाने वाला प्लास्टिक, प्लास्टिक रैप आदि शामिल है। बीएमसी राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार, प्रतिबंधित प्लास्टिक के निर्माताओं, भंडारण करने वालों, आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं पर पहले अपराध के लिए 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा रहा है। दूसरी बार प्लास्टिक पकड़े जाने प 10,000 रुपये, उससे अधिक बार पाए जाने पर 25,000 रुपये तक का जुर्माना और 3 महीने तक की कैद का प्रावधान है।

'लोगों को रोजगार देने में विफल रही मोदी सरकार'

तपासे ने एक बयान में कहा कि इसका अर्थ हुआ कि महज 0.32 प्रतिशत आवेदनकर्ताओं को ही रोजगार मिला और 99 प्रतिशत से ज्यादा अभ्यर्थियों को खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं को रोजगार के ढेर सारे अवसर देने का वादा कर सत्ता में आए थे। लेकिन वास्तविकता इससे कोसों दूर है। नीतियों की विफलता के कारण आज बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। मगर मोदी सरकार केवल घृणा और विभाजन की राजनीति कर रही है इसलिए उसके पास विकास के मुद्दों के लिए समय नहीं है।

ई.डी. के नाजायज इस्तेमाल का आरोप लगाकर पालघर जिला कांग्रेस ने राष्ट्रपती के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता/संगीता शाह

पालघर। पालघर जिला कॉंग्रेस कमेटी ने मोदी सरकार पर ई.डी.का दुर्पयोग विरोधी दलो के नेताओ के खिलाफ करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी, पालघर को भारत की राष्ट्रपती महामहिम द्रौपदी मुर्मु के नाम एक ज्ञापन सौंपा कर अपना विरोध दर्शाया। इस दौरान नारेबाजी करते हुए जिला के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता पालघर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और केन्द्र सरकार द्वारा कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी को बेवजह परेशान व तंग करने का एकमात्र उद्देश्य बताते हुए मोदी सरकार द्वारा इन्फॉर्समेंट डायरेक्ट्रेट (ई. डी.) तथा अन्य केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की। इस दौरान पालघर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रफुल पाटिल ने आरोप लगाया कि आजकल देश में केंद्र की मोदी सरकार के इशारे पर ई डी व केंद्रीय जांच एजेंसियों का विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ जमकर दुर्पयोग किया जा रहा है और इसी द्वेशभावना के कारण कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा अन्य

नेताओं के विरुद्ध कथित जांच के नाम पर सताया रोज सताया जा रहा है ताकि वे देश व आम जनता की समस्याओ के लिए मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा ना कर सकें। प्रदेश प्रवक्ता अविश राऊत ने केंद्र की मोदी सरकार को तानाशाह की सरकार बताया। ज्ञात हो कि कॉंग्रेस के महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले के आदेशानुसार राज्य के सभी जिला व तालुका में ईडी के उपयोग को मनमानी बताते हुए उसके विरोध में आये दिन आंदोलन किये जा रहे हैं। पालघर जिला में भी गत दो दिनो से आंदोलन किये जा रहे हैं। इस अवसर पर कॉंग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अविश राऊत, महाराष्ट्र प्रदेश सचिव योगेश नम, किसान सेल प्रदेश अध्यक्ष पराग पष्टे, पालघर जिला अध्यक्ष प्रफुल पाटील, सोशल मीडिया प्रदेश सचिव रोशन पाटील, जिला वकील संघटन अध्यक्ष एड. सुधीर जैन, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोईज शेख व मधुकर चौधरी, जिला उपाध्यक्ष कैलास पाटील, जिला महिला अध्यक्ष सरयू औसरकर, जिला महासचिव रामप्रकाश निराला, एड.मनोज दांडेकर व भरत महाले, जिला सचिव रामनरेश यादव, विक्रमगड तालुका अध्यक्ष घनश्याम आळशी, दहानु तालुका अध्यक्ष सन्तोश मोरे, पालघर शहर अध्यक्ष मनोहर दांडेकर, पूर्व जिला महासचिव नईम चौधरी, पालघर जिला महिला उपाध्यक्ष दीपिका वानखेड, अस्मिता वानखेडे, शहर उपाध्यक्ष मनीषा कालपुन्ड, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अध्यक्ष शैलेश ठाकूर, राजीव शुक्ला तथा मनोर शहर अध्यक्ष रविश नाचन सहित अनेक पदाधिकारी एंव कार्यकर्ता उपस्थित थे।

करौली में एक दिवसीय ज्ञानोदय परियोजना आमुखीकरण एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज फाउंडेशन और जतन संस्था (ज्ञानोदय परियोजना) शिक्षा विभाग करौली के संयुक्त तत्वावधान जतन जिला संस्थान द्वारा परियोजना के द्वितीय वर्ष के अंतर्गत करौली ब्लॉक की विविध ग्राम पंचायतों के 75 विद्यालयों के संस्था प्रधानों एवं ग्राम पंचायत शिक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर ज्ञानोदय परियोजना (दितीय चरण) अंतर्गत एक दिवसीय ज्ञानोदय परियोजना आमुखीकरण एवं समीक्षा कार्यशाला का आयोजन एकट बोधग्राम संस्था में किया गया। ज्ञानोदय परियोजना में परियोजना प्रभारी प्रताप सिंह राठौड़ द्वारा बताया गया कि आमुखीकरण कार्यशाला में परियोजना के दूसरे वर्ष के अंतर्गत चयनित किये गए करौली ब्लॉक के 75 राजकीय विद्यालयो एवं उनकी ग्राम पंचायत के ग्राम पंचायतों के ग्राम पंचायत शिक्षा अधिकारियों के साथ विगत एक वर्ष में किये गए कार्यो की समीक्षा के साथ दूसरे वर्ष में किये जाने वाले सभी प्रयासो की जानकारी साझा की गयी। इस अवसर पर पूरी जतन संस्था की टीम ने शिक्षा मित्रों के सहयोग से धरातल पर शिक्षकों, समुदाय और शिक्षा विभाग के साथ किये जा रहे नवाचारों को भी प्रस्तुत किया। संस्था प्रधानों के साथ किये गए संवाद में सभी ने एक स्वर में ज्ञानोदय परियोजना ओर शिक्षा मित्रों के द्वारा दिये जा रहे योगदान की सराहना की और अपने विचारों में बताया गया की जतन संस्थान के ज्ञानोदय परियोजना का एक मुख्य उद्देश्य हर बच्चे को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना हैं अपने इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए संस्था स्तर जो भी प्रयास किये जा रहे है उससे सभी के साथ शिक्षा विभाग को भी नामांकन वृद्धि में अभूत पूर्व संबलन मिल पाया है। जतन टीम द्वारा करौली ब्लॉक के सुदूर ढाणियों में जा कर ग्राम वासियों के बीच में नुक्कड़ नाटक जागरूकता रैलियों का आयोजन करने के साथ-साथ घर-घर जाकर अनामांकित बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने की पहल की जा रही हैं। राधेश्याम शर्मा संस्था प्रधान मडी ने कहा कि जतन संस्थान के द्वारा जो कार्य धरातल स्तर पर किया जा राह है वह सराहनीय है,आपके द्वारा जो शिक्षा मित्र विद्यालय में लगाए गए है वह बहुत ही अच्छा कार्य कर रहे है,जब संस्थान के कलस्टर कोऑर्डिनेटर ने मुझे बच्चो के लिए स्पीकर लाने की बात कही वह भी मै लेकर आ गया। क्योंकि मैं स्वयं उसका प्रभाव देख पा रहा था। कार्यक्रम के अंत मे पूरी जतन टीम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए अपना सहयोग देने एवं बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में पहल पर स्वीकृति लेते हुए कार्यशाला का समापन किया। उक्त जानकारी स्थानीय युवा अक्षय शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

आर्यन मिश्रा द्वारा निर्मित 'अटल सम्मान' का टाइटल सांग लांच

संगीतकार दिलीप सेन, गीतकार लता हया, स्पेशल गेस्ट बीएन तिवारी, एक्टर अरुण बख्शी, सिंगर सत्यम उपाध्याय भी रहे उपस्थित. आर्यन एम फिल्म प्रोडक्शन्स के डायरेक्टर वी के मिश्रा (आर्यन) द्वारा निर्मित 'अटल सम्मान २०२२' का टाइटल सांग 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में मुंबई के स्टूडियो वन में भव्य रूप से लांच किया गया। इस कार्यक्रम की चीफ गेस्ट पद्मश्री सोमा घोष थीं जबकि स्पेशल गेस्ट बीएन तिवारी (अध्यक्ष एफडब्लूआईसीई) थे। सेलेब्रिटी गेस्ट आरती नागपाल, अरुण बख्शी, राजू टांक सिंगर उपस्थित थे। इस गाने के संगीतकार दिलीप सेन, गीतकार लता हया और सिंगर सत्यम उपाध्याय भी यहां उपस्थित रहे। इस अवसर पर सत्यम उपाध्याय की माँ डॉ सविता उपाध्याय जो कि शिक्षाविद, साहित्यकार व समाजसेविका हैं उपस्थित रहीं। आपको बता दें कि आर्यन मिश्रा अगले माह अटल सम्मान २०२२ पुरस्कार समारोह का आयोजन करने जा रहे हैं। इससे पहले वह श्री नारी सम्मान का आयोजन कर चुके हैं। वी के मिश्रा आर्यन ने बताया कि मुंबई में पहली बार हमने श्री नारी शक्ति सम्मान अवार्ड शो किया था जो बेहद कामयाब रहा। अब हम अगस्त में अटल सम्मान 2022 करवाने जा रहे हैं, इसका टाइटल सांग बड़ी खूबसूरती से दिलीप सेन ने कम्पोज किया है जबकि लता हया ने इसे महसूस करके लिखा है। सत्यम उपाध्याय ने इस सांग को बड़ी शिद्दत से अपनी मधुर आवाज में गाया है। अटल सम्मान के टाइटल सांग को यहां सुनाया गया जिसे सभी ने खूब पसंद किया। बी एन तिवारी ने भी आर्यन मिश्रा को ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और इस गीत को बेहद प्रेरणादायक बताया। पद्मश्री से सम्मानित सोमा घोष ने इस खूबसूरत गीत के लांच के अवसर पर कहा कि आर्यन मिश्रा ने बेहद सुंदर कांसेप्ट के साथ यह अटल सम्मान का टाइटल गीत प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया है। संगीतकार दिलीप सेन ने बखूबी संगीत से सजाया है लता हया की लेखनी में कमाल नजर आता है और इस छोटी सी उम्र में गुरुग्राम से पधारे सत्यम उपाध्याय ने बेमिसाल रूप से गाया है। बी एन तिवारी ने बताया कि यह आर्यन मिश्रा का सौभाग्य है कि सोमा घोष जी आज यहां आईं। इनके आशीर्वाद से सांग लांच हुआ है यह बड़ी बात है। सेलेब्रिटी गेस्ट एक्ट्रेस आरती नागपाल ने इस सांग की खूब तारीफ की और आर्यन मिश्रा के जज्बे को सलाम किया। उन्होंने कहा कि यह देशभक्ति का बड़ा हौसला बढ़ाने वाला गाना है जो १५ अगस्त और २६ जनवरी के अवसर पर भी खूब बजाया जाएगा। अरुण बख्शी ने भी आर्यन मिश्रा के इस सांग की सराहना की और सत्यम उपाध्याय की आवाज को मीडिया व वहां उपस्थित सभी गणमान्य जनों ने पसन्द किया। दिलीप सेन ने आर्यन मिश्रा का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि यह गाना काफी स्पेशल है जिसे लता हया ने प्रभावी रूप से लिखा है। सत्यम उपाध्याय ने इस चैलेंजिंग सांग को बखूबी निभाया है व मीडिया से रूबरू होते हुए सत्यम ने कहा कि अटल जी जैसी महान हस्ती के लिए गीत गाना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

कुर्ला में 7 अगस्त को रक्तदान शिबिर का आयोजन

मुंबई। जय हो सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट और आसरा चैरिटेबल ट्रस्ट ने गाडगे महाराज स्कूल न्यू मिल रोड हलाव पूल कुर्ला (पश्चिम) मुंबई 70 रक्तदान शिबिर कार्यक्रम रखा गया है। 7 अगस्त 2022 रविवार के दिन समयः- सुबह 9.30 से दोपहर 3 बजे तक समय पर आकर रक्तदान जरूर करें। आपका दान किया हुआ रक्त किसी की जान बचा सकता है। रक्तदान ऐसा एक दान है ना ही रक्त देने वाली की जात पूछी जाती है और ना ही रक्त लेने वाले की जात पूछी जाती और ये रक्तदान शिबिर सायन हॉस्पिटल के सयोग से लगाया जा रहा है आप सभी अपने भाईयो, बहनो, दोस्तों और अपने मोहाले में लोगों को जगरुक करके रक्तदान करने की सलाह अवश्य दें।

कुलपति को मिला लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ0 कृष्ण कुमार को उद्यानिकी के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिये लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें आजादी के अमृत महोत्सव समारोह पर स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम सैनानियों के स्मरण विषय पर मुजफ्फरपुर के लक्ष्मी राजदेव उच्चतर माध्यमिक प्लस टू विद्यालय पीयर में आयोजित समारोह में दिया गया। मौके पर कुलपति ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित होना उनके लिये गर्व का विषय है। उन्होंने इस अवसर पर आजादी में अतूलनीय योगदान के लिये मुजफ्फरपुर एवं आस पास के स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण किया और उनके योगदान को नमन किया।

नेशनल हेराल्ड मामला : अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सड़कों पर प्रदर्शनों के माध्यम से वह केन्द्रीय जांच एजेंसियों को 'भ्रमित करने और उनपर दबाव बनाने' का प्रयास कर रही है। ठाकुर ने यहां पत्रकारों से कहा, कांग्रेस जांच से भाग क्यों रही है? उनके पास छुपाने को क्या है? क्या गांधी परिवार कानून से ऊपर है? क्या गांधी परिवार के लिए अलग से कानून होना चाहिए? वे (जांच) एजेंसियों से क्यों भाग रहे हैं? उन्हें भी जांच का सामना करना चाहिए। अखबार 'नेशनल हेराल्ड' से जुड़े धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय बुधवार को लगातार तीसरे दिन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछताछ कर रहा है, जिसके विरोध में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता देशभर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इन्हीं प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में ठाकुर ने उक्त टिप्पणी की है। संसद भवन के बाहर ठाकुर ने कहा, बलात्कार, हत्या और अन्य अपराधों के मामलों में तेजी आ रही है और राज्यों में प्रशासनिक कमियां हैं। राजस्थान में हालात चिंताजनक हैं, लेकिन मुख्यमंत्री यहां समय बिता रहे हैं।

जीवन में व्यक्ति जन्म से नहीं अपने कर्म से महान होता हैं: अनिता रेलन

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'कर्मो की उड़ान' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 423 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता योगाचार्या अनिता रेलन ने कहा कि कर्म एक ऐसा विश्वास और एक ऐसी धारणा है जिसमें सभी आर्थिक घटनाएं नियति कार्यकर्ताओं द्वारा निर्धारित किए होते हैं जो भविष्य में सभी जनों को प्रभावित करते हैं एक ऐसी उड़ान जो आकाश में उड़ती उस पतंग की तरह हैं जो कर्म और अकर्म के मध्य झूलती है। कर्म शब्द का उपयोग वस्तुतः अलग-अलग जगहों पर अपने अपने तरीके से होता है।

कर्म के बारे में अलग-अलग विचार कोई कहता है विचारों शब्दों क्रियाओं के फलों को जानकर जो कार्य किए जाते हैं वह कर्म है,अच्छे कर्म से ही समाज की व्यवस्था सुचारू रूप से चलती है तभी राष्ट्र समृद्ध बनता है और सम्मान पाता है। उन्होंने बताया कर्म प्रधान विश्व रचि राखा जो जस करहिं सो तस पंचाका ही संसार का विधान है कह देना बोया पेड़ बबूल का आम कहां से पाए? इसकी साथी कर्म की गति बड़ी महान है। उन्होंने कर्म की गति के बारे में विस्तार से बताया महापुरुषों के उदाहरण देते हुए बताया कुछ छोटी-छोटी कथाओं के द्वारा विश्लेषक किया भागवत गीता के अनुसार कर्म 6 प्रकार के हैं नित्य नैमित्तिक काम्या निष्काम कर्म निषिद्ध कर्म उन्होंने यह भी बताया कि शास्त्रों में तीन प्रकार के कर्मों के उल्लेख के बारे में जानकारी दी उन्होंने बोला है भगवान से ना डरो तो चलेगा पर अपने कर्मों से जरूर डरना चाहिए,राजा दशरथ के बारे में जानकारी दें सीता राम रावण बाल्मीकि जिन्होंने रत्नाकर डाकू के अभिशाप को झेला श्रीकृष्ण जी राम जी ने जब बाली को पेड़ के पीछे छुप कर मारा था उसके बारे में और वासुदेव का गांधारी द्वारा श्राप देना छोटी- छोटी पंक्तियों के द्वारा उन्होंने आज के विषय को और भी खूबसूरत बना दिया। कर्म करें किस्मत बने जीवन का यह खेल। महापुरुषों के वक्तव्य के द्वारा उन्होंने कर्म की उड़ान के बहुत सुंदर उदाहरण दिए भगवान बुद्ध कहते हैं अच्छे का परिणाम अच्छा और बुरे का बुरा कर्मों का फल सर्वशक्तिमान सर्वज्ञ सर्वव्यापक भगवान ही देते हैं और मनुष्य के सभी जीवो के मन वाणी और शरीर से किए जाने वाले सभी कर्मों को वह जानते हैं अतः आप जो भी कर्म करें उसमें अहंकार की भावना ना हो वह सब आप ईश्वर को अर्पित कर दें विनोबा भावे जी महर्षि दयानंद जी स्वामी विवेकानंद जी गांधी पटेल बोस भगत टैगोर अब्दुल कलाम लाल बहादुर लाजपतराय गंगाधर राजगोपालाचारी मदर टेरेसा कस्तूरबा गुरु गोविंद राम जी और कृष्ण जी लता जी इन सब के बारे में इन सब के कर्मों के बारे में जिनकी वजह से वह जाने जाते हैं बहुत सुंदर उदाहरण देते हुए बताया इसमें एक विशेष बात की आचार्य पुलक सागर जो कहते हैं कि जितनी भी ऊपर महापुरुष हुए जितने भी महापुरुषों के बारे में जानकारी दी वह महान पैदा हुए थे ऐसा लोग कहते हैं ऐसा क्लास में पढ़ा जाता है शिक्षकों द्वारा बताया जाता है पर मेरा मानना है महान पैदा नहीं होता अपने कर्म से बनता है अभी हाल ही में हमारी द्वितीय महिला राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मु का उदाहरण देखिए मोदी जी का उदाहरण देखिए जिन्होंने अपने कर्मों द्वारा देश को कहां से कहां ले गए अतः कोई भी कार्य करें निस्वार्थ भाव से करें निष्काम सेवा दे गीता का यह श्लोक अक्सर सुनने में मिल जाता है कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन पर वहां यह भी तो सत्य है कर्म करो फल को ध्यान में रखते हुए भगवान से ना डरो तो चलेगा पर अपने कर्मों से जरूर डरो क्योंकि किए हुए कर्मों का फल तो भगवान को भी भोगना पड़ा खूबसूरत से उदाहरण से बताना चाहूंगी एक बार एक वृद्ध को पेड़ लगाते देखा राजा ने वृद्ध को कहा फल निकलने तक तुम जीवित नहीं रहोगे तो इतना परिश्रम क्यों? देखे कितना खूबसूरत जवाब दिया मेरा काम है कर्म करते रहना फल किसी को अवश्य खाने को मिलेगा। निरंतर कर्म करने वाला उस दीपक के समान है जो स्वयं जलकर भी दूसरों को प्रकाश देता है उन्होंने यह भी बताया कि कई कर्म ऐसे होते हैं जो मनुष्य को बांधे रखते हैं वही पाप पुण्य के फेर में जिसमें वह मोह माया के जाल में फंस जाता है कोई भी कार्य करें या द्वेष लालच और पुरे होते शव को रखकर ना करें याद रहे अच्छे विचार से उत्पत्ति होती है और कर्म से आदत की,आदत से चरित्र की ओर चले पीछे भागेगी वर्तमान में जो भी हो रहा है वही तो कल की उत्पत्ति हैं वह अतीत के कर्मों का फल है जो हम पा रहे हैं या आज हम जो खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं अतः वर्तमान में श्रेष्ठ का चयन करें जिससे भविष्य आपकी तरह श्रेष्ठ और खूबसूरत हो। कहते हैं श्रम कीजिए क्रमानुसार, फल खाइए कर्मा अनुसार।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि पुरुषार्थ ही इस दुनिया में सब कामना पूरी करता है। मुख्य अतिथि शशि चोपड़ा (कानपुर) व अध्यक्ष रजनी गर्ग ने निरंतर कर्मशील रहने का आह्वान किया।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। गायक रविन्द्र गुप्ता, पिंकी आर्या, प्रवीना ठक्कर, कमलेश चांदना, कमला हंस, कौशल्या अरोड़ा, रजनी चुघ, सुनीता अरोड़ा, विजय वधावन, प्रतिभा कटारिया, चन्द्र कांता गेरा आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

'कर्मो की उड़ान' पर आर्य गोष्ठी संपन्न

दैनिक मुंबई हलचल

जरुरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इश्कबाजी में कानपुर में चले बम, दबंगों की तलाश में छापे, तीन गिरफ्तार, फोर्स तैनात

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां के पॉश इलाके फीलखाना थाना क्षेत्र में बम चलाकर दहशत पैदा करने वाले फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है। इस बीच दो लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। इस घटना में दो लड़के घायल भी हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं समाचार लिखे जाने तक उनकी जान खतरे से बाहर बताई गई है। साथ ही तनाव पूर्ण हालातों को देखते हुए बड़ी संख्या में फोर्स भी तैनात किया गया है। इस घटना की वजह इश्क बाजी बताई जा रही है। जिसके चलते ही फीलखाना थाना

क्षेत्र में दो गुटों में विवाद हो गया। एक पक्ष से तीन लड़के और दूसरे पक्ष से दो लड़कों में मारपीट हो गई। मामला इतना बढ़ा कि देसी बम से एक गुट ने दूसरे गुट पर हमला कर दिया। इस हमले में एक पक्ष के दो लोग घायल हो गए जिसमें एक की हालत गंभीर बताई जा रहे हैं। यह विवाद एक लड़की से जुड़ा बताया जाता है। वहीं डीसीपी पूर्वी प्रमोद कुमार सिंह ने घटना के विवरण में बताया कि सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एक पक्ष के तीन लोगों को मौके से हिरासत में लिया। साथ ही मुकदमा दर्ज कर फरार लोगों की तलाश की जा रही है।

एनसीआर में भी आया 'महादेव का गोला व भोला मुनक्का' सूखा जहर

बच्चों में बढ़ रही हैं नशे की लत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सूखे नशे में बच्चों को बेची जानी वाली 'श्री भोला मुनक्का' नशे की गोलियों की शुरूआत एक अबैध फैक्ट्री में सन 2006 गुजरात में हुआ थी। लेकिन उस फैक्ट्री की सप्लाई ज्यादातर पंजाब राज्य में थी। जिसका खुलासा 4 साल बाद राष्ट्रीय अखबार दैनिक भास्कर सन 2010 में जालंधर की रिपोर्ट द्वारा एक लेख में प्रकाशित हुआ था। बता दे की आज पंजाब में सूखा नशे की सैकड़ो अबैध फैक्ट्रीयाँ है। ऐसे ही मामले एनसीआर रीजन में अब नोएडा, गाजियाबाद एवं साहिबाबाद इंडस्ट्री एरिया में देखने को मिल रहे है। रविंद्र आर्य 2010 दैनिक भास्कर जालंधर की रिपोर्ट आयुर्वेदिक औषधि के नाम पर बच्चों को भांग के नशे का आदी बनाया जा रहा है। जालंधर और गांवों में किराने की दुकानों और खोखों पर 'श्री भोला मुनक्का' के नाम से बिकने वाली गोली में सबसे ज्यादा मात्रा भांग की है। निर्माता कंपनी का दावा है कि इससे पाचन क्रिया सही रहती है, स्फूर्ति मिलती है, और कब्ज दूर होती है। कई इलाकों में बड़ी गिनती में बच्चे गोलियों के आदी हो चुके हैं। छोटे कस्बों और स्कूलों के आसपास इनकी खपत सबसे ज्यादा है। इसके रैपर पर ही लिखा है कि इस गोली में 25 फीसदी मात्रा भांग की है। जिले में अलावलपुर कस्बे में स्कूल के नजदीक दुकानों व खोखों में हर दुकानदार रोजाना इसकी करीब 20 गोलियां बेच देता है। यहां करीब 20 खोखे और इतनी ही करियाने की दुकानें हैं, जहां ये गोलियां बिकती हैं। एक दुकान में औसतन 20 गोली भी रोजाना बिके तो संख्या दो हजार से ऊपर चली जाती है। कैंट क्षेत्र में भी यही स्थिति है। यहां भी ये गोलियां खुलेआम बिकती हैं। शहर में इमामनासर में सिगरेट, तंबाकू की होलसेल की दुकानों पर इनकी सप्लाई आम है। कोई भी व्यक्ति रिटेल या होलसेल के लिए यहां से गोली खरीद सकता है। इस गोली की मेन्यूफेक्चरिंग कंपनी 'गुजरात' से है। जालंधर के अलावा राज्य के दूसरे जिलों के भी कई व्यक्तियों ने इसकी एजेंसी ले रखी है। ये गोलियां पिछले तीन-चार साल से बिक रही हैं। इस कारण काफी लोग इनकी गिरफ्त में आ चुके हैं। इस गोली को भांग की गोली या नशे की गोली के नाम से जाना जाता है। शहर की एजेंसी के सेल्समैन सुबह-सुबह दुकानों पर सप्लाई पहुंचा देते हैं। इसमें नशा भी इतना ज्यादा है कि अगर आम व्यक्ति इसे खा ले तो वह पूरा दिन होश में न आए। अलावलपुर निवासी पवन कुमार ने करीब चार महीने पहले एक दिन इस गोली को खा लिया था। इससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल में दाखिल करवाना पड़ा था। रेट से ज्यादा वसूलते हैं। दुकानदार मुनाफा ज्यादा होने के कारण दुकानदार इन्हें धड़ल्ले से बेच रहे हैं। रैपर पर इसका दाम एक रुपए प्रिंट है, लेकिन दुकानदार तीन से पांच रुपए वसूलते हैं। जिनके लिए नहीं, वही बन गए आदी इस गोली के रैपर पर लिखा हुआ है कि ये नाबालिगों को सेल करने के लिए नहीं है। इसके बावजूद स्कूलों के आसपास लगने वाली दुकानों पर बच्चों को बेची जा रही हैं। व्यस्क भी इसे सस्ते नशे के रूप में ले रहे हैं। खेलों में भी बढ़ाती है 'दम' स्कूलों की टीमों में खेलने वाले बच्चे भी इसे खा रहे हैं। इससे उनका दमखम बढ़ जाता है, और वे जल्दी थकते नहीं हैं। अलावलपुर के एक स्कूल टीम के फुटबाल खिलाड़ी ने बताया कि मैच से पहले वह इसे खाते है। उनके शिक्षक भी इसे खाने की सलाह देते हैं। नाम मुनक्का, लेकिन सबसे अधिक भांग इस गोली का नाम मुनक्का है, लेकिन इसमें भांग की मात्रा सबसे अधिक है। गोली के घटकों में 20 फीसदी मुनक्का है, जबकि 25 फीसदी मात्रा भांग की है। बाकी घटकों की मात्रा एक से पांच फीसदी तक है। बच्चों की मानसिकता पर असर मनोचिकित्सक डा. गुलबहार सिंह सिद्धू का कहना है कि इस तरह की गोलियां खाने से बच्चे मानसिक तनाव का शिकार हो सकते हैं। इससे वे कभी हंसने लग जाते तो कभी एकदम रोने। इसके अलावा ऐसी गोलियों को खाकर खेलने वाले बच्चों को कुछ समय के लिए तो एनर्जी मिल सकती हैं, लेकिन बाद में हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। लंबे समय तक इसके इस्तेमाल से किडनी भी फेल हो सकती है, और शूगर के शिकार भी बन सकते हैं। कभी कोई चैकिंग नहीं, आम दुकानों पर बिकने वाली इन नशीली दवाइयों की कभी चैकिंग नहीं हुई सिविल सर्जन डा. एसके गुप्ता का कहना है कि उनके पास एक ड्रग इंस्पेक्टर है। इस स्थिति में उनसे पूरे मेडिकल स्टोरों की ही चैकिंग खत्म नहीं होती है। करियाने की दुकानों पर बिकने वाली इन दवाईयों की सप्लाई बारे उनके पास जानकारी नहीं है। अब ये मामला ध्यान में आया है और हम दुकानों पर इसके लिए चैकिंग करेंगे। उक्त जानकारी समाजसेवी रविन्द्र आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

एकल अभियान के तत्वावधान आचार्य मासिक बैठक का आयोजन हुआ

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

नाडोल ग्राम पंचायत स्थित अणसीबाई मंदिर परिसर मे एकल अभियान के तत्वावधान संच नाडोल व खिवाडा के आचार्या मासिक बैठक का आयोजन हुआ। मासिक बैठक एफ टि एस जोधपुर कि द्वारा से आचार्या को उपहार देकर सम्मान किया गया। इस बैठक मे वनबन्धू परिषद एफ टि एस चेप्टर जोधपुर द्वारा वनयात्रा का शुभारंभ हुआ जिसमे डॉ. फूलकंवर मुन्दडा, सुनीता, मुकेश व्यास, गौरव नीम्बावत, महेश मेहता, राधेश्याम, प्रियंका त्यागी, कांता सुथार, एकल अभियान के अभियान प्रमुख कैलाश कुमार, प्राथमिक शिक्षा प्रमुख लक्ष्मण रांगी, भीमाराम, व आचार्य भाई बहिन उपस्थित थे। फिर नाडोल संच के विद्यालय ग्राम रामदेव कोलोनी कोटड़ी में एफटीएस जोधपुर द्वारा विद्यालय ग्राम पर प्रवास रहा जिसमें श्रीमान गौरव जी निंबावत ने बच्चों को महापुरुषों की जीवनी के बारे में जानकारी दी और श्रीमान मुकेश जी व्यास ने बच्चों को विद्यालय नियमित रूप से चले और व्यवस्थित रूप सुचारू हो। वहां अंचल अभियान प्रमुख कैलाश कुमार, संच प्रमुख भीमाराम, आचार्य कैलाश कुमार और ग्राम समिति उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- न्यायाधीशों को निशाना बनाने की कोई सीमा होती है

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि न्यायाधीशों को निशाना बनाने की एक सीमा होती है। कोर्ट ने देशभर में ईसाई संस्थानों और पादरियों पर बढ़ते हमलों का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई में देरी करने की मीडिया में आई खबरों पर नाखुशी जताते हुए ये बात कही। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि हम पर दबाव बनाना बंद करें। पीठ ने कहा, पिछली बार मामले पर सुनवाई नहीं की जा सकी थी क्योंकि मैं कोविड-19 से संक्रमित था। आपने अखबारों में छपवाया कि सुप्रीम कोर्ट सुनवाई में देरी कर रहा है। देखिए, न्यायाधीशों को निशाना बनाने की एक सीमा होती है। ये सभी खबरें कौन देता है? न्यायालय ने मौखिक रूप से कहा, मैंने ऑनलाइन खबरें देखी थी कि न्यायाधीश सुनवाई में देरी कर रहे हैं। हम पर दबाव बनाना बंद करिए। एक न्यायाधीश कोरोना वायरस से संक्रमित थे और इस वजह से हम मामले पर सुनवाई नहीं कर सकें। खैर, हम इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे, वरना फिर कोई और खबर आएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बढ़ती उम्र के साथ-साथ महिलाओं में कई तरह के हॉर्मोनल चेंजेस आते हैं। ऐसे में महिलाओं को कमजोरी, फर्टिलिटी में कमी और खून की कमी जैसी प्रॉब्लम्स का सामना भी करना पड़ता है। इस प्रॉब्लम को दूर करने के लिए महिलाओं की डाइट में विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर फूड शामिल करना काफी जरूरी हो जाता है। चलिए आज हम आपको जरूरी न्यूट्रिएंशन से भरपूर ऐसे सुपरफूड्स के बारे में बताते हैं, जो आपको लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं।

महिलाओं के लिए डाइट

मूंगफली - मूंगफली प्रोटीन का सबसे बढ़िया स्त्रोत हैं। इसके अलावा इसमें फाइबर, विटामिन्स, फैट तथा मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं। इसका सेवन करने से दिल के रोग, मोटापा जैसी समस्याएं दूर रहती हैं। आप ड्राई फ्रूट्स की बजाए इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

ड्राई रोस्ट की हुई मूंगफली को स्नैक्स के तोर पर सेवन करें। इसके अलावा इसे साबुत अनाज, ग्रेनोला, सलाद या गुड़ के साथ खाएं। आप इसे कसरत से पहले या बाद में खा सकते हैं।

अलसी के बीज - अलसी में ओमेगा 3 फैटी एसिड के अलावा विटामिन्स, न्यूट्रिशियंस और मिनरल्स होते हैं। एंटी-इंफ्लामेंट्री गुणों से भरपूर अलसी पाचन क्रिया को मजबूत बनाती हैं। साथ ही यह ब्लड प्रैशर तथा बैड कोलेस्ट्राल को कम करती हैं और गुड़ कोलेस्ट्राल को बढ़ाती है। इससे आप दिल के खतरे से बचे रहते हैं।

आप रोजाना अलसी के तेल का 1 चम्मच या फिर इसके बीज अपनी डाइट में शामिल करें।। साथ ही अलसी के बीजों को रोस्ट करके स्नैक्स के रूप में खा सकते हैं लेकिन अगर इसे अंकुरित कर लिया जाए तो इसका अधिक लाभ मिलता है। आप दिनभर में किसी भी समय इसका सेवन कर सकते हैं।

बादाम - रोजाना कम से कम 10 बादाम खाने से ना सिर्फ हड्डियां मजबूत होती हैं बल्कि इससे कोलेस्ट्राल लेवल भी कंट्रोल में रहता है। दिल को स्वस्थ रखने के साथ पाचन व इम्यून सिस्टम को मजबूत भी बनाता है। साथ ही यह स्वस्थ अनसेचुरेटेड फैट से भरपूर होता है, जिससे वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

10-12 बादाम को रातभर पानी में भिगो दें और सुबह खाली पेट खाएं। इसके अलावा आप इसे दूध में उबालकर रात को सोने से पहले पी सकते हैं। सुबह या शाम को स्नैक्स के तौर पर इसका सेवन सबसे बढ़िया होता है।

चिया के बीज - सुपरफूड माने जाने वाले चिया के सीड्स को अपनी डाइट में शामिल कर आप लंबे समय तक हैल्दी रह सकती हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट्स और कैल्शियम भरपूर मात्रा में होता है, जो शरीर को एनर्जी देने के साथ ब्रेन को तेज करने में काफी मददगार हैं। इसके अलावा रोजाना इसका सेवन आपको कैंसर जैसी बीमारियों से भी बचाता है।

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो चिया के बीजों को पीसकर इसमें नींबू का रस मिलाकर खाएं। अच्छी सेहत के लिए आप इसे रेस्ट करके स्नैक्स के रूप में किसी भी समय खा सकते हैं।

एवोकाडो - एंटीऑक्सिडेंट, फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम, फोलेट, विटामिन ए, बी, ई, फाइबर और प्रोटीन के गुणों से भरपूर एवोकाडो दिल से लेकर कैंसर तक के खतरे को कम करता है। हफ्ते में एक बार इसका सेवन न सिर्फ शुगर लेवल को कंट्रोल करता है बल्कि इससे आपका वजन भी नहीं बढ़ता। एवोकाडो को आप चिकन व एवोकाडो सीजर सलाद की तरह खा सकते हैं। आप चाहे तो इसे ऐसे भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

महिलाएं डाइट में जरूर शामिल करें ये सुपरफूड्स

स्किन एलर्जी से छुटकारा दिलाएंगा यह आयुर्वेदिक नुस्खा

लर्जी में चमड़ी पर जोर फफोले, धफ्फड़, दाद, चकत्ते पड़ जाते हैं और में फैल सकते है। सिर ली व रूसी जैसी पपड़ी तरती है। स्किन एलर्जी एग्जीमा, अर्टिकेरिया, रियासिस, डर्मटाइटिस प्रॉबल्म देखी जाती है।

आरोग्यम में स्किन एलर्जी का जड़ से आयुर्वेदिक से इलाज हो रहा है और लाखों लोगों ने स्किन एलर्जी से हमेशा के लिए मुक्ति पाई है। स्किन एलर्जी का एलोपैथिक में इलाज नहीं है सिर्फ स्टेरॉयड्स व एलर्जी की गोलियां रोग को दबाती है मगर यह गुर्दे व जिगर पर बहुत बुरा असर डालती है। आरोग्यम आयुर्वेदिक एलर्जी हस्पताल के डॉक्टर्स 20 साल से आयुर्वेदिक तरीके से इलाज कर रहे है जिनको विश्व स्तर के विज्ञानिकों द्वारा मान्यता मिली है।

स्किन एलर्जी का इलाज

आरोग्यम के डॉक्टर्स को एलर्जी के क्षेत्र में उत्तम कार्य करने पर कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्ध द्वारा भी सन्मानित किया गया है। याद रहे यह वही आरोग्यम के डॉक्टर्स हैं जिन्होंने एलर्जी के क्षेत्र में अपनी रिसर्च दिखा कर जर्मनी के कॉन्फ्रेंस में बैठे विज्ञानिकों को आश्चर्य चकित कर दिया था और इसके बारे में पुरे यूरोप के अखबारों में छपा भी था। चलिए जानते है आरोग्यम के डॉक्टर्स द्वारा बताया गया आयुर्वेदिक नुस्खा।

चमड़ी की एलर्जी का घरेलू नुस्खाः

दही में सरसों का तेल मिलाकर नहाने से पहले लगा कर पांच मिनट बैठे और ग्लिसरीन युक्त साबुन से नहा ले। नहाने के बाद नारियल तेल शरीर पर लगाए। अगर आपकों चमड़ी की एलर्जी हैं तो जड़ से इलाज करवाने के लिए आरोग्यम के डॉक्टरस से संपर्क कर सकते है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'मैं जिंदा हूं'

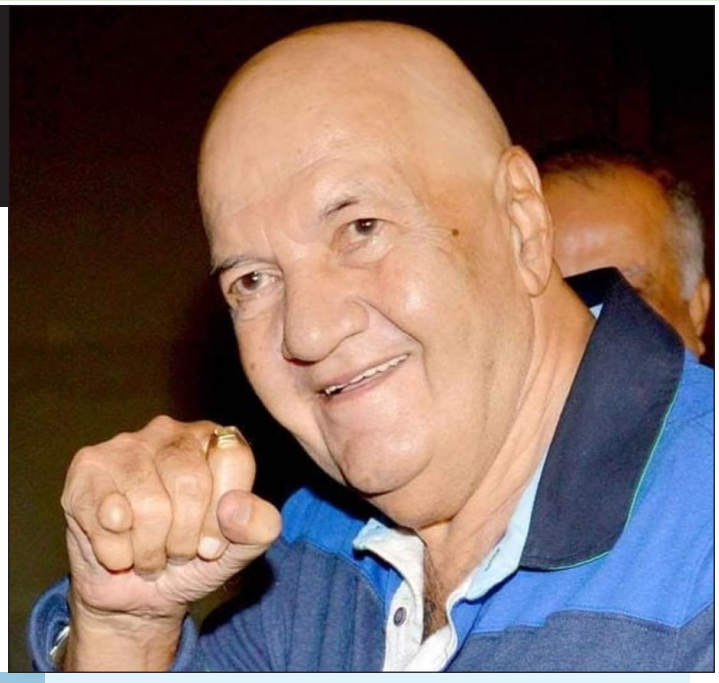

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर प्रेम चोपड़ा अपने समय के बड़े एक्टर में से एक है। प्रेम चोपड़ा ने कई फिल्मों में एक से बढ़कर एक खलनायक वाले रोल निभाए है। इन दिनों प्रेम चोपड़ा की जमकर चर्चा हो रही है और प्रेम चोपड़ा को सबको बोलना पड़ रह है कि अभी वो जिंदा है। दरअसल, सोशल मीडिया पर इन दिनों प्रेम चोपड़ा के निधन की खबरें तेजी से वायरल हो रही है। इसी बीच प्रेम चोपड़ा ने खुद सामने आकर उनकी निधन की खबरों को गलत बताया। बॉलीवुड इंडस्ट्री में अफवाहों का बाजार अक्सर गर्म रहता है। आए दिन किसी न किसी एक्टर या एक्ट्रेस को लेकर कोई न कोई अफवाह उड़ ही जाती है। इस बार तो हद ही हो गई, जब सोशल मीडिया पर यह खबर फैल गई कि मशहूर अभिनेता प्रेम चोपड़ा अब इस दुनिया में नहीं रहे। यह खबर आने के बाद कई लोग उनके निधन पर दुख भी जताने लगे, लेकिन बाद में यह खबर फेक निकली और प्रेम चोपड़ा ने खुद अपने निधन को लेकर फैलाई गई खबर को खारिज करते हुए कहा, 'मैं जिंदा हूं'। प्रेम चोपड़ा के इस बयान के बाद फैंस और फिल्मी जगत में लोगों ने राहत की सांस ली है।

बोनी कपूर को दामाद में चाहिए ये खूबी

बोनी कपूर इन दिनों बेटी जान्हवी के लिए पति और अपने लिए एक दामाद तलाश रहे है। लेकिन उन्होंने अपने होने वाले दामाद के लिए कुछ शर्ते रखी है, अगर आप उन शर्तो को पूरा कर देंगे को आपको भी जान्हवी कपूर से शादी करने का चांस मिल सकता है। बता दे, हर माता-पिता बेटी की शादी का सपना संजोते हैं। इसी तरह बोनी कपूर के भी अपनी बेटियों जान्हवी और खुशी की शादी को लेकर कुछ सपने हैं। हालांकि, वह फिलहाल अपनी बेटियों की शादी नहीं कर रहे हैं, लेकिन दामाद में क्या खूबियां होनी चाहिए, यह उन्होंने सोच रखा है। इस बात का खुलासा खुद जान्हवी कपूर ने किया है। हाल ही में जान्हवी कपूर ने बताया कि उनके पिता बोनी कपूर उनके लिए कैसा पति चाहते हैं? दरअसल बोनी कपूर चाहते हैं कि जान्हवी को उनसे भी लंबा पति मिले। जान्हवी का कहना है, पापा की बस यही ख्वाहिश है। उन्हें किसी और चीज से फर्क नहीं पड़ता है। वह कहते हैं कि जान्हवी का होने वाला पति मेरे जितना लंबा होना चाहिए और मेरे पापा की हाइट 6'1 है। इसके अलावा जान्हवी ने कहा, पापा मुझसे और खुशी से कहते हैं कि तुम्हारी शादी से पहले मैं चाहता हूं कि तुम दोनों दुनिया घूम लो, ताकि जाकर अपने पति को बता सको कि तुमसे शादी करने से पहले मेरे पिता ने मुझे पूरी दुनिया घुमाई है। जान्हवी ने आगे कहा कि मुझे अब एहसास होता है कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा? वह यह तय करना चाहते हैं कि जिस इंसान से भी हम शादी करें, वह मेरे और खुशी के साथ भी वैसा ही व्यवहार करे, जैसा पापा करते हैं।

विजय देवरकोंडा के साथ फ्लर्ट करना अनन्या को पड़ा महंगा

करण जोहर का चैट शो 'कॉफी विद करण' हर दिन सुर्खियां बटोर रहा है। सेलेब्रिटी के इस शो में आने से जो फिल्मी गॉसिप होती है, वो जानने में फैंस को बेहद दिलचस्पी होती है। शो के आने वाले एपिसोड में बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे और साउथ के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की जोड़ी देखने को मिलने वाली है। यह दोनों फिल्म 'लाइगर' में साथ नजर आने वाले है। अनन्या पांडे इंडस्ट्री की चुलबुली एक्ट्रेस में से एक है। उनके चुलबुलेपन और क्यूटनेस को फैंस काफी पसंद करते है। अनन्या 'कॉफी विद करण 7' के अपकमिंग एपिसोड में फिल्म 'लाइगर' में उनके को-स्टार विजय देवरकोंडा के साथ नजर आने वाली है। इस शो के प्रोमो वीडियो में अनन्या विजय के साथ फ्लर्ट करने लगती है, लेकिन विजय के साथ फ्लर्ट करना लगता है अनन्या को भारी पड़ गया क्योंकि इसके लिए शो के होस्ट करण जोहर ने अनन्या पांडे की जमकर क्लास लगा दी। शो का एक प्रोमो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में विजय अनन्या के साथ तेलुगु भाषा में रोमांटिक बातें कर रहे है। अनन्या भी विजय के साथ फ्लर्ट करने लगती है।